

PAPER-II DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

J 3314

Time : 1 ¼ hours]

OMR Sheet No. :

(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

[Maximum Marks : 100

Number of Pages in this Booklet : 12

Number of Questions in this Booklet : 50

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

Example : (A) (B) (C) (D)

where (C) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only**. If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- There is no negative marks for incorrect answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
 - इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।

उदाहरण : (A) (B) (C) (D)

जबकि (C) सही उत्तर है ।
- प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
- यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्त के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
- गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।



DOGRI
डोगरी
Paper – II
प्रश्नपत्रिका – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इस पेपर च **पंजाह (50)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न । **सभनें** सुआलें दे परते देओ ।

1. वाणी –

(अ) पुनरुक्ति ऐ ।

(ब) स्थूल ऐ ।

(स) प्रभाव ऐ ।

(द) संपादन ऐ ।

(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

2. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

(अ) कोहदे (i) अन्य पुरश सर्वनाम

(ब) कैहदे (ii) प्रश्नवाचक प्राणीसूचक सर्वनाम

(स) ओहदे (iii) निश्चयवाचक सर्वनाम

(द) एहदे (iv) प्रश्नवाचक अप्राणीसूचक सर्वनाम

कोड :

(अ) (ब) (स) (द)

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iv) (i) (iii)

(C) (i) (iv) (ii) (iii)

(D) (iii) (i) (iv) (ii)

3. स्थान, काल, रीति ते परिमाण – क्रिया-विशेषणें दे इस क्रम मताबक हेठ दित्ते दे शब्दें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) जोरें-जोरें (ii) कदें बी

(iii) कुतै ते (iv) दनां क

कोड :

(A) (i) (ii) (iii) (iv)

(B) (ii) (iii) (i) (iv)

(C) (iv) (i) (ii) (iii)

(D) (iii) (ii) (i) (iv)

4. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A डोगरी च 'छ' ते 'श' बक्ख-बक्ख ध्वनिग्राम न ।

R 'छक्क' ते 'शक्क' उच्चरने कन्ने अर्थे च कोई फर्क सेही नेई होंदा इसलेई एह बक्ख-बक्ख ध्वनिग्राम हैन ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(B) R कथन गलत ऐ ।

(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्ने A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेई ऐ ।

5. इंदे च विकल्पसूचक समावेशक समुच्चयबोधक अव्यय ऐ –

- (A) ते फही बी (B) गे नेई-बी
(C) जां फही (D) नां गे

6. स्त्रीलिंग –

- (अ) इक व्याकरणिक कोटि दा भेद ऐ ।
(ब) आस्तै नामपदें च रूपायन होंदा ऐ ।
(स) आस्तै क्रियापदें च रूपायन नेई होंदा ।
(द) आस्तै सर्वनामों च रूपायन होंदा ऐ ।

- (A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (ब) ठीक न ।
(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

7. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) बखला आदमी (i) संज्ञा
(ब) उन्नै मिगी बखला (ii) विशेषण
समझेआ ।
(स) बखलें गी केह हमददी ऐ । (iii) कर्तृपूरक
(द) हून सब बखले होई गे । (iv) कर्मपूरक

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iv) (i) (iii)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (iii) (i) (iv) (ii)

8. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण ते क्रिया-विशेषण, शब्द-भेदें दे इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ते दे शब्दें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ –

- (i) आपूं (ii) अपने आप
(iii) अपना (iv) अपनापन

कोड :

- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (i) (iv) (iii)
(C) (iv) (i) (iii) (ii)
(D) (iii) (i) (iv) (i)

9. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A पाणिनी दे व्याकरण ग्रंथ दा नांS 'अष्टाध्यायी' ऐ ।

R पाणिनी च 3940 सूत्र न इस करियै इसदा नांS 'अष्टाध्यायी' तर्क संगत ऐ ।

- (A) R कथन A कथन दी स्हेई व्याख्या करा करदा ऐ ।
(B) R अपने थाहरे पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेई ऐ ।
(C) R कथन गलत ऐ ।
(D) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

10. जिस विदेशी विद्वाने नागरी लिपि दा प्रचार कीता, उसदा नांS ऐ –

- (A) जूल ब्लाक (B) आर. ऐल्ल. टर्नर
(C) मैक्समूलर (D) हॉकेट

11. 'नर्मी अजादिये' कविता –
- (अ) दे रचनाकार राम नाथ शास्त्री न ।
 (ब) वेदपाल दीप न ।
 (स) मधुकण पुस्तक च छपी दी ऐ ।
 (द) प्रातकिरण पुस्तक च छपी दी ऐ ।
- (A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
 (B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
 (C) (अ) ते (स) ठीक न ।
 (D) (ब) ते (स) ठीक न ।

12. पैहली चंदी च दिल्ली दिये प्रविष्टिये दा दूई चंदी च दिल्ली दिये प्रविष्टिये कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- | | |
|-----------------------------|------------------------------|
| (अ) हरदत्त | (i) वेदांत |
| (ब) स्वामी
ब्रह्मानंद | (ii) धार्मिक
समाजी विशे |
| (स) सुरेंद्र सिंह
मन्हास | (iii) गूढ भाव ते ठेठ
भाशा |
| (द) वीरेंद्र
केसर | (iv) हास्य-व्यंग |

कोड :

- | | | | |
|-----------|------|-------|-------|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) |
| (A) (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (B) (ii) | (i) | (iv) | (iii) |
| (C) (i) | (iv) | (ii) | (iii) |
| (D) (iii) | (i) | (iv) | (ii) |

13. खोज इक कविता दी, खलार, चाननी दी कनसोऽ ते जीवन लैहरां – पुस्तके दे इस क्रम मताबक हेठ दित्ते दे इं'दे रचनाकारें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

- (i) ओम विद्यार्थी
 (ii) तारा स्मैलपुरी
 (iii) अभिशाप
 (iv) अरविंद

कोड :

- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
 (B) (ii) (iii) (i) (iv)
 (C) (iv) (iii) (i) (ii)
 (D) (iii) (ii) (i) (iv)

14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A इक्कीर्मी सदी दी डोगरी काव्य-रचना च कविता दे बक्ख-बक्ख रूपें बक्खी कविये दा रुझान बधेआ नेई बल्के सिर्फ गज़ल गै मती लखोई ऐ ।

R इक्कीर्मी सदी दे पैहले दूहाके च डोगरी दे काव्य-साहित्य च दोहा, चमुखा, कुंडली, पंज-सतरी रूप, लम्मी कविता, उक्तियां, हाइकू वगैरा केई काव्य-रूपें दी आमद होई ऐ ।

- (A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
 (B) R कथन गलत ऐ ।
 (C) R कथन पूरी चाल्ली कन्ने A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
 (D) R स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई नेई ऐ ।

15. इंदे चा इक-तुकी कविता ऐ –

- (A) तंदा (B) परतां
(C) खुहै दे डिड्डू (D) घर

16. असली वारस –

- (अ) इक कहानी-संग्रह ऐ ।
(ब) इक एकांकी-संग्रह ऐ ।
(स) दे लेखक वेद राही न ।
(द) दे लेखक राज राही न ।
(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (द) ठीक न ।
(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

17. पैहली चंदी च दित्ती दिये प्रविष्टिये दा दूई चंदी च दित्ती दिये प्रविष्टिये कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) कोले दियां लीकरां (i) 1970
(ब) खाल्ली गोद (ii) 1971
(स) बदनामी दी छां (iii) 1973
(द) हाशिये दे नोट्स (iv) 1959

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iv) (i) (iii)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (iv) (i) (iii) (ii)

18. छत्र पाल, रत्न केसर, कृष्णा प्रेम ते उषा व्यास – लेखके दे इस क्रम दे स्हाबे हेठ दित्ती दिये रचनाएं दा स्हेई क्रम बनदा ऐ –

- (i) दिर थुआढी
(ii) चेता
(iii) खीरला गुलदस्ता
(iv) पानी आया, पानी गोआ

कोड :

- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iii) (i) (iv)
(C) (iv) (i) (iii) (ii)
(D) (iii) (ii) (iv) (i)

19. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

- A डोगरी कहानी दी बंड अक्सर सन् 70 शा पैहले दी डोगरी कहानी ते सन् 70 दे बाद दी डोगरी कहानी दे रूपे च कीती जंदी ऐ ।
R 1970 दे दूहाके दे बाद बी डोगरी कहानी दे कथ्ये ते शैली च कोई फर्क नेई आया, इस लेई एह बंड मनासब नेई ।

- (A) R कथन A कथन दी स्हेई व्याख्या करा करदा ऐ ।
(B) R अपने थाहरै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेई ऐ ।
(C) R कथन गलत ऐ ।
(D) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

20. 'ठंड' दे रचनाकार न –
 (A) तारा दानपुरी (B) राजेश्वर सिंह राजू
 (C) मनोज (D) मनोज निश्चित

21. लक्ष्मी नारायण हुंदे निबंध न –
 (अ) क्षमा करना, धन्नवाद
 (ब) कलाजंग
 (स) सुर्गपुरी भद्रवाह
 (द) जक्को-तक्के
 (A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
 (B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
 (C) (अ) ते (स) ठीक न ।
 (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

22. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविशियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविशियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	चंदी-2
(अ) भागें दे फेर	(i) कृष्ण लाल वर्मा
(ब) भागरेखा	(ii) डॉ. संसार चंद्र
(स) जेकर नारद होर जम्मू औंदे	(iii) प्रो. लक्ष्मी नारायण
(द) मेरी शकार यात्रा	(iv) प्रो. शक्ति शर्मा

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
 (A) (i) (ii) (iii) (iv)
 (B) (ii) (iv) (i) (iii)
 (C) (iv) (iii) (ii) (i)
 (D) (iii) (ii) (iv) (i)

23. प्रकाश प्रेमी, नरेंद्र खजूरिया, प्रो. वीणा गुप्ता ते शिवनाथ – निबंधकारें दे इस क्रम मताबक हेठ दित्ते दे निबंधें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

- (i) नरोआ तन, नरोआ मन
 (ii) मां दुर्गा
 (iii) रिच्यूअर दे रिमाक्स
 (iv) इक सफर सुहाना

कोड :

- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
 (B) (ii) (iii) (i) (iv)
 (C) (iv) (i) (ii) (iii)
 (D) (iii) (iv) (i) (ii)

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A निबंधकार दी सुतंतर सूझ ते उसदे सरल सुलझे दे, पर जानदार विचार सुंदर हारै दे फुल्लें आह्ला लेखा गुंदे दे होने करी इक श्रेष्ठ निबंध दे रूप च पाठकें गी मोहत करी छोड़दे न ।

R शायद इस्सै करी बाबू गुलाब राय होरें गलाए दा ऐ – दिल से जो बात निकलती हे असर रखती हे ।

- (A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
 (B) R कथन गलत ऐ ।
 (C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
 (D) R स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेई ऐ ।

25. डोगरी च जेहडे सिर्फ गद्य-लेखक दे तौर पर जान्ने जंदे न, उं'दा नांS ऐ –

- (A) ओम गोस्वामी (B) केदारनाथ शास्त्री
(C) तारा स्मैलपुरी (D) कुंवर वियोगी

26. अयोध्या नाटक –

- (अ) परंपरावादी सोच उप्पर आधारत ऐ ।
(ब) विशाल द्रिश्टीकोण प्रगट करदा ऐ ।
(स) रूढ़िगत विचारधारा दा खंडन करदा ऐ ।
(द) रिश्ते-नातें च द्रेड पांदा ऐ ।
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (स) ठीक न ।
(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

27. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	चंदी-2
(अ) डाक घर	(i) देवी
(ब) मल्लिका	(ii) अनुसूया
(स) शकुंतला	(iii) विलोम
(द) बलिदान	(iv) बदलू

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iv) (i) (iii)
(C) (iv) (iii) (ii) (i)
(D) (iii) (iv) (ii) (i)

28. जगीरदारी प्रथा दी नखेधी, न्यांS, लोक-तत्वी चमत्कार ते मध्यवर्गी आर्थिक स्थिति – विशें दे इस क्रम मताबक हेठ दित्ते दे नाटकें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

- (i) सरपंच
(ii) मंडलीक
(iii) जीने दी कैद
(iv) ढौंदियां कंधां

कोड :

- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iii) (i) (iv)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (iii) (ii) (i) (iv)

29. हेठ दो कथन दित्ते गोदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गोदा ऐ :

- A रंगमंची नाटकें ते रेडियो नाटकें च फर्क सेही नेई होंदा ।
R रेडियो नाटक आस्तै सिर्फ श्रोताएं दी लोड होंदी ऐ ते रंगमंची नाटकें आस्तै दर्शकें दी ।
(A) R कथन गलत ऐ ।
(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
(C) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
(D) R स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेई ऐ ।

30. पौराणिक कथा पर आधारित नाटक ऐ –

- (A) सरकार (B) देवयानी
(C) त्रिफला (D) काल चक्कर

31. आदर्शवादी साहित्य

- (अ) दुःख दे कल्याण दी सोच रखदा ऐ ।
(ब) जीवन दे सनैहरे पक्खें दी चर्चा करदा ऐ ।
(स) जीवन दियें समस्याएं दी तर्जमानी करदा ऐ ।
(द) समाजिकता गी म्हत्ता दिंदा ऐ ।
(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (ब) ते (स) ठीक न ।
(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

32. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) रस (i) अलंकार
(ब) जो-जो जोगी जंगम (ii) विश्वनाथ लभदा
(स) विशिष्ट पद-रचना (iii) वक्रोक्ति
(द) विचित्र अभिधा (iv) रीति

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (i) (iv) (iii)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (iii) (i) (ii) (iv)

33. भामह, दंडी, वामन ते भरत मुनि – काव्य-शास्त्रियें दे इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ते दे ग्रंथथें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

- (i) काव्यालंकार सूत्र
(ii) काव्यालंकार
(iii) काव्यादर्श
(iv) नाट्य शास्त्र

कोड :

- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iii) (i) (iv)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (iii) (ii) (iv) (i)

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A किश विद्वान 'रस' गी इक अलंकार मनदे न ।

R एह संप्रदाय अलंकारवाद दा हामी ऐ ते इंदा गलाना ऐ जे रस कन्नै काव्य सुंदर बनदा ऐ ।

- (A) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
(B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
(C) R कथन गलत ऐ ।
(D) R अपने थाहरै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेई ऐ ।

35. 'जि 'यां आखो' दा प्रयोग होंदा ऐ –

- (A) उपमा अलंकार च ।
- (B) उत्प्रेक्षा च ।
- (C) दृष्टान्त च ।
- (D) रूपक च ।

36. गाथा –

- (अ) गद्य रचना होंदी ऐ ।
 - (ब) परंपरागत गाई जाने जोग रचना होंदी ऐ ।
 - (स) पद्यात्मक कथानक प्रधान रचना होंदी ऐ ।
 - (द) गद्यात्मक कथानक प्रधान रचना होंदी ऐ ।
- (A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
- (B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
- (C) (ब) ते (स) ठीक न ।
- (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

37. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- | | |
|------------------------|-------------------|
| (अ) अकली दा चमत्कार | (i) बार |
| (ब) मियां डीडो | (ii) लोक-गीत |
| (स) लोहानी | (iii) नीति-कथ |
| (द) गेरी, कोले ते मकोल | (iv) लोक-चित्रकला |

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
- (B) (ii) (iv) (i) (iii)
- (C) (iv) (i) (ii) (iii)
- (D) (iii) (i) (ii) (iv)

38. लोक-नाच, मुहावरा, खोआन ते संस्कार – इंदे इस क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ते दे शब्दें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

- (i) जनेऊ
- (ii) कोड़ी खाना
- (iii) फुम्मनी
- (iv) चोरें दे गोआह मोर ।

कोड :

- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
- (B) (ii) (iii) (i) (iv)
- (C) (iv) (i) (ii) (iii)
- (D) (iii) (ii) (iv) (i)

39. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

- A परी-कथ्यें च कीड़े-मकोड़े गै पात्तर होंदे न ।
- R इसलेई इंदे च जैदातर दुनियादारी दियां गल्लां ते दलेरी दे कारनामं वर्णत होंदे न ।
- (A) R कथन पूरी चाल्ती कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
- (B) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।
- (C) R कथन गलत ऐ ।
- (D) R अपने थाहरै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेई ऐ ।

40. बसोहली कलम –

- (A) लोक-चित्रकला दा रूप ऐ ।
(B) बंझे दी बनदी ऐ ।
(C) मोरै दे फंघे दी बनदी ऐ ।
(D) चित्रकला दी इक शैली ऐ ।

41. काव्यानुवाद –

- (अ) साहित्येत्तर अनुवाद दे वर्ग च ओंदा ऐ ।
(ब) मुश्कल जरूर ऐ पर नांमुमकन नेई ।
(स) च सारें शा मती समस्या कला-पक्ख मूजब ओंदा ऐ ।
(द) कोई मुश्कल नेई होंदा ।
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (द) ठीक न ।
(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

42. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें कन्ने स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	चंदी-2
(अ) बचाने आह्ला कोहका	(i) 1815
(ब) धर्म पुस्तक	(ii) 1818
(स) श्रीमद् भगवद् गीता दा डोगरी अनुवाद	(iii) 1826
(द) राजौली	(iv) 1934

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (iii) (ii) (iv) (i)
(B) (ii) (iii) (iv) (i)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (iii) (i) (iv) (ii)

43. अनुवाद-प्रक्रिया दे स्हाबें हेट दित्ते दे चरणे दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

- (i) पठन
(ii) अंतरण
(iii) विश्लेशन
(iv) पुनर्सृजन

कोड :

- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (i) (iii) (ii) (iv)
(C) (iv) (ii) (iii) (i)
(D) (iii) (ii) (iv) (i)

44. हेट दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A अनुवाद पुलै दा कम्म करदा ऐ ।

R अनुवाद भाशाएं गी कोल आहनदा ऐ, अनुवाद राहें बक्ख-बक्ख भाशाएं दे माध्यम राहें बक्ख-बक्ख संस्कृतियें बारै जानेआ जाई सकदा ऐ ।

(A) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

(B) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(C) R कथन स्हेई नेई ऐ ।

(D) R अपने थाहरै पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेई ऐ ।

45. डोगरी च अनूदित उपन्यास 'गोट्या' दे मूल लेखक न

- (A) मा. घु. ताम्हनकर
(B) ना. घो. ताम्हनकर
(C) ना. घी. ताम्हनकर
(D) ना. घो. ताम्हसक

46. रेडियो जनसंचार दा –

- (अ) व्यक्तिगत माध्यम नेई ऐ ।
(ब) सार्वजनिक माध्यम ऐ ।
(स) इलैक्ट्रॉनिक माध्यम ऐ ।
(द) आधुनिक माध्यम ऐ ।
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (स) ठीक न ।
(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

47. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- | | |
|---------------------|-------------------|
| (अ) ध्वनि ते द्रिशश | (i) प्रिंट मीडिया |
| (ब) सेंख | (ii) लोक-माध्यम |
| (स) मीडियम वेव | (iii) टी.वी. |
| (द) इशतेहार | (iv) रेडियो |

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iv) (i) (iii)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (iii) (ii) (iv) (i)

48. अखबार-छपाई दी प्रक्रिया च जि'नें मुख-मुख चरणें दा पालन कीता जंदा ऐ, उंदा स्हेई क्रम ऐ –

- (i) खबरें दा संपादन
(ii) अखबारें दी छपाई
(iii) खबरें दी तलाश
(iv) खबरें दा लेखन

कोड :

- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iii) (i) (iv)
(C) (iii) (iv) (i) (ii)
(D) (iii) (i) (iv) (ii)

49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी असर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ ते दुए गी रीजन (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

- A दूर-दर्शन सिर्फ मनोरंजन गै नेई करदा ऐ सगुआं समाजी विकास प्रति अपनी देनदारी गी बी बखूबी नभांदा ऐ ।
R दूर-दर्शन उप्परा हर वर्ग, हर पीढी ते हर खेतर कन्नै सरबंधत कार्यक्रम प्रस्तुत कीते जंदा न ते एहू कार्यक्रम समाजी विकास च सहायक सिद्ध होंदे न ।
(A) R कथन गलत ऐ ।
(B) R कथन पूरी चाल्ली कन्नै A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
(C) R अपने थाहरे पर स्हेई ऐ पर A कथन दा स्हेई कारण नेई ऐ ।
(D) R कथन आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ।

50. जम्मू प्रभात दा प्रकाशन शुरू होआ हा –

- (A) 17 दिसंबर 2007 गी ।
(B) 18 दिसंबर 2007 गी ।
(C) 19 दिसंबर 2008 गी ।
(D) 17 नवंबर 2007 गी ।

Space For Rough Work